First Rank Coaching

Nawalgarh Road, Sikar Mo. 9783708007

By- B. L. Rewar
(पू. स. कमांडेंट)

Marks- Sub.- **हिन्दी (रीट) टेस्ट-2** Date- / /2018

1. **भाषा–अर्जन में बच्चे भाषा को**
(1) सहज और स्वाभाविक रूप से सिखते हैं(2) अभ्यास और यान्त्रिकता से सीखते हैं
(3) स्वाभाविक और प्रयासपूर्ण तरीके से सीखते हैं
(4) सहजता और अभ्यास से सीखते हैं (1)

2. **हिन्दी भाषा शिक्षक के रूप में आप किसे सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं?**
(1) बच्चों के लेखन–क्षमता का विकास करना
(2) बच्चों को विभिन्न सन्दर्भों में भाषा प्रयोग सिखाना
(3) बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना
(4) बच्चों को व्याकरण के नियम सिखाना (2)

3. **उच्च प्राथमिक स्तर पर भाषा सीखने को प्रभावित करता है**
(1) बच्चों द्वारा किया जाने वाला सुलेख (2) शिक्षक का भाषा–शिक्षण सम्बंधी रवैया
(3) शिक्षक द्वारा ली गई लिखित परीक्षा (4) भाषा सम्बंधी गृहकार्य (2)

4. **उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा–शिक्षण के लिए क्या अपेक्षित नहीं हैं?**
(1) स्वाध्यायशीलता का विकास (2) सुनकर शब्दशः दोहराने की क्षमता का विकास
(3) भाषा–प्रयोग की क्षमता का विकास (4) चिन्तनशीलता का विकास (2)

5. **उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा–शिक्षण में सर्वोपरि महत्त्वपूर्ण सामग्री हैं**
(1) अभ्यास–पत्रक (2) पाठ्य–पुस्तक (3) अभ्यास–पुस्तिका (4) बाल साहित्य (4)

6. **उच्च प्राथमिक सतर पर बच्चों की हिन्दी भाषा की क्षमता के आकलन में प्रकार्यपरक पक्ष पर बल देने का आशय है**
(1) भाषा–प्रयोग पर बल देना (2) भाषा के कार्यों को बढ़ावा देना
(3) भाषा–प्रयोग का पक्ष बताना (4) भाषा के कार्यों की सूची बनाना (1)

7. **'भाषा शिक्षण' के सन्दर्भ में कौन–सा कथन सही नहीं है?**
(1) बच्चे अपने द्वारा बनाए गए भाषा–नियमों में विस्तार एवं परिवर्तन करते हैं
(2) समृद्ध भाषा–परिवेश भाषा अर्जित करने में सहायक होता है
(3) बच्चों की मातृभाषा का कक्षा में प्रयोग नहीं होना चाहिए
(4) बच्चे भाषा की जटिल संरचनाओं के साथ विद्यालय आते हैं (3)

8. **पाठ्यचर्या–सहगामी क्रियाएँ जैसे गीत, संवाद, अंत्याक्षरी, भाषण, वाद–विवाद आदि.....में सहायक हैं?**
(1) भाषा और साहित्य को समझने (2) अधिक अंक प्राप्ति करने
(3) समय और श्रम की बचत करने (4) शिक्षक के कार्य–भार को कम करने (1)

9. **भाषा शिक्षण की अनुवाद विधि**
(1) मातृभाषा को मध्यस्थ नहीं बनाती (2) मातृभाषा की उपेक्षा करती है
(3) मातृभाषा को मध्यस्थ बनाती है (4) लक्ष्य भाषा को ही श्रेष्ठ सिद्ध करती है (3)

10. **निम्नलिखित में से कौन–सी शिक्षण विधि श्रवण–कौशल के शिक्षण में सर्वाधिक उपयोगी है?**
(1) प्रश्नोत्तर (2) सस्वर वाचन (3) भाषण (4) ये सभी (4)

11. **दृश्य–श्रव्य सामग्री कैसी नहीं होनी चाहिए?**
(1) जो शिक्षण के उद्देश्य की प्राप्ति में सहायता दे
(2) सुन्दर तथा आकर्षक (3) बालक को विचलित करने वाली
(4) बालकों की रूचि को बढ़ाने वाली (3)

12. **अध्यापक केन्द्रित उपागम की प्रमुख विशेषता नहीं है–**
(1) इसमें सूचनाओं के आदान–प्रदान पर बल दिया जाता है
(2) यह उपागम व्याख्यान से सम्बंधित नहीं होता है
(3) इसमें शिक्षक पूर्ण रूप से सक्रिय रहता है
(4) इसमें शिक्षण अधिगम वातावरण पूरी तरह से औपचारिक होता है (2)

13. **पढ़ना कौशल में ..... सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है?**
(1) उच्चारण की शुद्धता (2) अर्थ ग्रहण करना
(3) लिपि–चिन्हों की जानकारी (4) द्रुत गति से पढ़ना (2)

14. **हिन्दी भाषा के सतत् और व्यापक मूल्यांकन के सन्दर्भ में कौन–सा कथन उचित नहीं है?**
(1) यह बच्चे के सन्दर्भ में ही मूल्यांकन करता है
(2) यह बच्चों को उत्तीर्ण–अनुत्तीर्ण श्रेणियों में विभाजित करने में विश्वास रखता है।
(3) सतत् और व्यापक मूल्यांकन बच्चों की सीखने की क्षमता और तरीके के बारे में जानकारी देता है।
(4) यह बताता है कि बच्चों को किस तरह की मदद की जरूरत है (2)

15. **भाषा की कक्षा का माहौल कैसा होना चाहिए?**
(1) जहाँ बच्चों को उनकी बात कहने और सुनने के अधिकाधिक अवसर मिलें
(2) जहाँ शिक्षक बोले और बच्चे ध्यान से सुनें
(3) जहाँ भाषागत शुद्धता पर अत्यधिक बल हों
(4) दीवारों पर सूक्तियाँ लिखी हों (1)

16. **पाठ पढ़ने–पढ़ाने के बाद किस तरह के सवाल बच्चों की समझ का मूल्यांकन करने में सहायक नहीं होते?**
(1) 'यदि–तो' वाले प्रश्न
(2) पढ़े गए पाठ से जोड़ते हुए अपने निजी अनुभवों को व्यक्त करने वाले प्रश्न
(3) 'क्यों', 'कैसे' वाले प्रश्न (4) 'क्या शिक्षा मिलती है?' वाला प्रश्न (2)

17. **जब अध्यापक कक्षा में छात्रों के समक्ष स्वयं वाचन प्रस्तुत करता है, उसे ..... कहते हैं।**
(1) अध्यापक वाचन (2) अनुकरण वाचन (3) आदर्श वाचन (4) विशेष वाचन (3)

18. **प्राथमिक स्तर पर बच्चे किस प्रकार की कविताएँ पसंद करते हैं?**
(1) जो तुकान्त न हों (2) जो कोई सीख देती हों
(3) जिनमें लयात्मकता हो (4) जो अनिवार्य रूप से राजा–रानी से जुड़ीं हों (3)

19. **हिन्दी विषय के मूल्यांकन के लिए निबन्धात्मक प्रश्न पद्धति की आवश्यकता का मुख्य कारण है कि**
(1) छात्रों को सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अध्ययन नहीं करना पड़ता
(2) छात्र को प्रश्न कम करने पड़ते हैं
(3) छात्रों को मौलिक अभिव्यक्ति का पूर्ण अवसर प्राप्त होता है
(4) छात्रों को नकल करने का अवसर कम मिलता है (3)

20. **पाठ पढ़कर बच्चों से प्रश्न बनवाने से–**
(1) इस बात का पता चलता है कि बच्चे प्रश्नवाचक शब्दों से परिचित हैं या नहीं
(2) शिक्षक को यह जानने का अवसर मिलता है कि बच्चों ने पाठ को कितनी गहराई से समझा है
(3) कक्षा–कार्य की अच्छी युक्ति पूरी होती है
(4) प्रश्न बनाने की आदत का विकास होता है (2)

21. **उपचारात्मक शिक्षण के लिए निम्नलिखित में से कौन–सा कार्य नहीं किया जाना चाहिए?**
(1) सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन
(2) प्राथमिक स्तर पर बच्चों के परीक्षा में फेल होने पर उन्हें अगली कक्षा में प्रोन्नत करने से रोकना
(3) उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में विज्ञान विषय को अलग–अलग संकायों के रूप में पढ़ाना
(4) माध्यमिक कक्षाओं में विज्ञान विषय को संयुक्त विषय के रूप में पढ़ाना (2)

22. **भाषा सीखने में जो त्रुटियाँ होती हैं?**
(1) उन्हें कठोरता से लेना चाहिए
(2) उन्हें जल्दी से दूर किया जाना चाहिए
(3) वे बच्चों की त्रुटियों की ओर संकेत करती हैं
(4) वे सीखने की प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा होती हैं जो समय के साथ दूर होने लगती हैं (4)

23. **भाषा शिक्षण में मूल्यांकन का प्रयोजन हैं?**
(1) भाषा के प्रति रूचि जागृत करना (2) विषय की जाँच करना
(3) अगली कक्षाओं में क्रमोन्नति देना (4) ये सभी (4)

24. **भाषा–शिक्षण में पाठ्य–पुस्तक।**
(1) अनावश्यक है (2) एकमात्र संसाधन है (3) साध्य हैं (4) साधन है (4)

25. **मातृभाषा शिक्षण का सिद्धान्त निम्नलिखित में है?**
(1) अभिप्रेरणा का सिद्धान्त (2) रूचि का सिद्धान्त
(3) क्रियाशीलता का सिद्धान्त (4) ये सभी (4)

26. **भाषा शिक्षण में अधिगम–सामग्री का प्रमुख दायित्व है?**
(1) कम समय में अधिक ज्ञान दिया जाना।
(2) छात्रों का ध्यान पाठ में केन्द्रित होना।
(3) शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य में कम मेहनत किया जाना।
(4) विषय–विस्तु के कठिन स्थलों का उचित स्पष्टीकरण करना। (4)

26. **उच्च प्राथमिक स्तर पर कहानी रचना के लिए उपयोगी सामग्री होगी।**
(1) श्यामपट्ट (2) फ्लैश कार्ड (3) चित्र कथाएँ (4) ये सभी (4)

27. **पाठ पढ़कर बच्चों से प्रश्न बनवाने से**
(1) इस बात का पता चलता है के बच्चे प्रश्नवाचक शब्दों से परिचित हैं या नहीं।
(2) शिक्षक को यह जानने का अवसर मिलता है कि बच्चों ने पाठ को कितनी गहराई से समझा है।
(3) कक्षा–कार्य की अच्छी युक्ति पूरी होती है।(4) प्रश्न बनाने की आदत का विकास होता है। (2)

28. **भाषा के माध्यम से छात्रों का होता है?**
(1) मानसिक विकास (2) बौद्धिक विकास (3) शारीरिक विकास (4) दोनों '1' तथा '2' (4)

29. **हिन्दी शिक्षण की दृष्टि से निम्न में से कौन–सी पद्धति छोटी कक्षाओं की अपेक्षा बड़ी कक्षाओं के लिए अधिक उपयोगी है?**
(1) प्रोजेक्ट पद्धति (2) डाल्टन पद्धति (3) मॉण्टेसरी पद्धति (4) किण्डरगार्टन पद्धति (1)

30. **उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरण शिक्षण की उपयुक्त विधि प्रणाली है?**
(1) सूत्र प्रणाली (2) भाषा संसर्ग प्रणाली
(3) आगमन प्रणाली (4) समवाय प्रणाली (3)

31. **एक भाषा–शिक्षक के रूप में सबसे बड़ी चुनौती है?**
(1) बहुभाषिक कक्षा के शिक्षण के लिए उचित रणनीतियाँ तय करना
(2) बच्चों को भाषा सीखने के महत्व से परिचित कराना
(3) बच्चों की भाषा को संसार साधनों के प्रभाव से मुक्त रखना
(4) भाषा–संसाधनों का आभास है (1)

32. **सामान्य उद्देश्य और प्राप्य उद्देश्य दोनों ही–**
(1) एक–दूसरे के पूरक है (2) एक–दूसरे के अभिन्न अंग है
(3) दोनों में कोई सम्बंध नहीं है (4) प्राप्य उद्देश्य सामान्य उद्देश्यों पर निर्भर है। (4)

33. **प्राथमिक स्तर पर कहानी रचना के लिए सर्वाधिक उपयोगी सामग्री होगी–**
(1) रेड्रियो (2) श्यामपट्ट (3) चित्रकथाएँ (4) फ्लैश कार्ड (3)

34. **छोटे बालकों की कल्पना शक्ति विकसित करने का माध्यम है–**
(1) महापुरुषों की जीवनियाँ (2) रसानुभूति कविताएँ
(3) पौराणिक गाथाएँ (4) परियों की कहानियाँ(1)

35. **प्राथमिक स्तर पर कविता शिक्षण की उपयुक्त प्रणाली है–**
(1) व्याख्या प्रणाली (2) व्यास प्रणाली
(3) तुलना प्रणाली (4) गीत और अभिनय प्रणाली (4)

36. **व्यावहारिक व्याकरण पढ़ाने की सर्वाधिक उपर्युक्त विधि है–**
(1) उदाहरणों की प्रस्तुति (2) सिद्धान्त निरूपण
(3) अनुषांगिक कथन (4) विषय का अभ्यास (1)

37. **जिस प्रणाली में छात्रों को नियम रटा दिये जाते है वह प्रणाली है–**
(1) आगमन विधि (2) निगमन विधि (3) पुस्तकीय विधि (4) समवाय् विधि (2)

38. **'काल्डवेल कुक' ने किस विधि का प्रर्वतन किया–**

FIRST RANK COACHING, SIKAR, 9783708007
FIRST RANK COACHING, SIKAR, 9783708007

(1) बालाद्यान विधि (2) प्रोजेक्ट विधि (3) विनेट का विधि (4) खेल विधि (4)

39. **नैदानिक परख बनाने की आवश्यकता है–**
(1) प्रतिभाशाली बालकों की पहचान के लिए (2) छात्रों की कमजोरियों का पता लगाने के लिए
(3) छात्रों का वर्गीकरण करने के लिए (4) छात्रों की प्रगति की जानकारी प्राप्त करने के लिए (2)

40. **मूल्यांकन में इकाई परख का मुख्य उद्देश्य है–**
(1) अगली कक्षा में प्रोन्नत करना (2) प्रगति की जानकारी करना
(3) उद्देश्यों की पूर्ति–सीमा का ज्ञान करना (4) कमजोरियों का निदान करना (3)

41. **कौशलात्मक उद्देश्य है–**
(1) अर्थ ग्रहण करना (2) रचना रूपों का ज्ञान प्राप्त करना
(3) सुनने, बोलने का विचार प्रस्तुत करना (4) यति गति के अनुसार शुद्ध कविता पाठ करना। (3)

42. **बोलकर अभिव्यक्ति करने की योग्यता प्राप्त करने के अन्तर्गत छात्र–**
(1) शब्दों का शुद्ध एवं स्पष्ट उच्चारण कर सकेगा। (2) केन्द्रीय भावों को समझने का प्रत्यन करेगा।
(3) विषयवस्तु का विश्लेषण–संश्लेषण कर सकेगा
(4) स्पष्ट रूप से अपने विचारों को व्यक्त कर सकेगा। (1)

43. **''बालक पुस्तकालय में जाकर अपनी पसंद की पुस्तकें पढनें की आदत डाल सकेगा।'' यह व्यवहारगत परिवर्तन किस उद्देश्य से है?**
(1) ज्ञानपरक का (2) अर्थग्रहण का (3) अभिरूचिपरक का (4) अभिवृत्तिपरक का (3)

44. **भाषा सीखने का स्वाभाविक मनोवैज्ञानिक क्रम है–**
(1) सुनना–बोलना–पढ़ना–लिखना (2) सुनना–लिखना–पढ़ना–बोलना
(3) सुनना–लिखना–बोलना–पढ़ना (4) पढ़ना–लिखना–सुनना–बोलना (1)

45. **दृश्य बिम्ब का निर्माण किसके द्वारा होता है?**
(1) प्रत्यक्ष दर्शन से (2) चित्र पठन से (3) शब्द सुनने से (4) विचार करने से (1)

46. **'करीकूलम' की रचना में ध्यान रखा जाता है–**
(1) शिक्षक का (2) विद्यालय का
(3) छात्र का (4) शिक्षक व छात्र दोनों का (3)

47. **पाठ्यपुस्तक चयन में ध्यान रखा जाता है–**
(1) पाठ्यपुस्तक की भाषा शैली का (2) पुस्तक की छपाई, चित्रों के आकार का
(3) विषयवस्तु में मनोवैज्ञानिक तार्किक सिद्धान्त का।
(4) उपर्युक्त सभी का (4)

48. **'बालक चित्र के नीचे लिखे हुए शब्दों को जोर से पढ़ता है' यह क्रिया किस पठन के अन्तर्गत आती है?**
(1) शब्द पठन (2) मौन पठन (3) अनुकरण पठन (4) आदर्श पठन (1)

49. **'समवेत स्वर पठन' बालकों के लिए उचित है, क्योंकि–**
(1) पढ़ना सीखता है (2) झिझक व संकोच मिटती है
(3) अध्यापक से डर दूर होता है (4) इनमें से कोई नहीं (2)

50. **'परोपकार' का अर्थ समझने के लिए किस विधि का प्रयोग किया जायेगा?**
(1) विलोम शब्द के लिए (2) सन्धि विच्छेद के लिए
(3) चित्र दिखाकर (4) अर्थकथन द्वारा (2)

51. **वह कौन–सा वाचन है जो गद्य में उपयुक्त है, लेकिन पद्य में नहीं?**
(1) मौन वाचन (2) आदर्श वाचन (3) अनुकरण वाचन (4) समवेत वाचन (1)

52. **'दशानन' का अर्थ समझने या समझाने के लिए किस विधि का प्रयोग किया जायेगा?**
(1) चित्र दिखाकर (2) व्युत्पत्ति द्वारा
(3) समास विग्रह द्वारा (4) अर्थकथन द्वारा (3)

53. **बालकों के मस्तिष्क पर बिजली की तरह सीधा प्रभाव डालने वाली अधिगम सामग्री है–**
(1) टेपरिकार्डर (2) टेलीविजन (3) फ्लैश कार्ड (4) लिंग्वाफोन (3)

54. **भाषा शिक्षण में अधिगम सामग्री का उपयोग किया जाता है–**
(1) अवधान को आकृष्ट करना (2) अध्यापक को उपयोग करना सिखाना
(3) बालक के अनुभव में विस्तार (4) महत्वपूर्ण प्रत्यय एवं विषयों को स्पष्ट करना। (4)

55. **सम्पूर्ण ज्ञान को इकाई मानकर जो योजना बनायी जाती है, उसे क्या कहते हैं?**
(1) हरबर्ट की पंचपदी (2) सह–सम्बंध योजना
(3) समवाय योजना (4) इकाई योजना (4)

56. **हिन्दी भाषा में मूल्यांकन का प्रयोजन हैं–**
(1) भाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करना (2) लिपि का सही ज्ञान होना
(3) विषय ज्ञान की जाँच करना (4) अगली कक्षा में क्रमोन्नत करना (3)

57. **वस्तुनिष्ठता की रक्षा के सर्वाधिक उपर्युक्त प्रश्न है–**
(1) अति लघूत्तरात्मक (2) लघूत्तरात्मक (3) बहुविकल्पात्मक (4) निबन्धात्मक (3)

58. **मापन का अर्थ है–**
(1) वस्तु के मूल्य से (2) वस्तु की मात्रा से (3) वर्णनात्मक व्याख्या से (4) व्यापकता से (2)

59. **निदानात्मक परीक्षण का मुख्य उद्देश्य है–**
(1) बालक के ज्ञान का मूल्यांकन करना (2) बालक की कमजोरियों का पता लगाना
(3) अध्ययन के प्रति बालकों की रूचि का विकास करना
(4) शिक्षण विधियों में सुधार करना (2)

60. **उपचारात्मक शिक्षण की आवश्यकता होती है।**
(1) दृष्टिदोष वाले बालकों के लिए (2) आदिवासी बालकों के लिए
(3) सृजनशील बालकों के लिए
(4) कक्षा स्तर के अनुकूल प्रगति न करने वाले बालकों के लिए। (4)

61. **कक्षा 3 व 5 तक के पाठ्यक्रम में लिखने के अभ्यास हेतु निर्धारित कार्यक्रम है?**
(1) वाद–विवाद (2) कविता पाठ (3) कहानी–कथन (4) श्रुतिलेख (4)

62. **पठन की वह महत्त्वपूर्ण क्रिया, जिसमें पाठक, लेखक के विचारों को आत्मसात कर लेता हैं– वह है–**
(1) शाब्दिक पठन (2) मौन पठन (3) चिन्तनात्मक पठन (4) सृजनात्मक पठन (3)

63. **आनन्दमयी शिक्षण व्यवस्था उपयुक्त है–**
(1) प्राथमिक कक्षाओं के लिए (2) कक्षा एक व दो के लिए
(3) उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए (4) केवल पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के लिए (2)

64. **गृह कार्य का मूल्यांकन क्यों आवश्यक है?**
(1) इससे शिक्षण रोचक व प्रभावी बनता है। (2) छात्रों के निर्बल सबल पक्ष की जानकारी मिलती है।
(3) इससे बालक को सही दिशा मिलेगी (4) इससे शिक्षक अपनी कमजोरी जान सकेगा। (2)

65. **मौन वाचन का मुख्य उद्देश्य क्या है?**
(1) शब्द भण्डार की वृद्धि (2) शुद्ध वाचन की क्षमता उत्पन्न करना
(3) अर्थ ग्रहण एवं तीव्र गति से पढ़ने की क्षमता उत्पन्न करना।
(4) वर्णों की सही पहचान की क्षमता उत्पन्न करना (3)

66. **छोटे बालकों की कल्पनाशक्ति विकसित करने का माध्यम है–**
(1) महापुरुषों की जीवनियाँ (2) रसानुभूति की कविताएँ
(3) पौराणिक गाथाएँ (4) परियों की कहानियाँ (4)

67. **'व्यक्ति के मानसिक विकास के लिए मातृभाषा का ज्ञान उतना ही आवश्यक है जितना कि शिशु शरीर के विकास के लिए माता का दूध' परिभाषा है?**
(1) नरेन्द्र मोदी (2) पं. जवाहरलाल नेहरू (3) महात्मा गांधी (4) रायबर्न (3)

68. **भाषा की प्रकृति की विशेषता नहीं है–**
(1) भाषा अर्जित संपत्ति है। (2) भाषा अनुकरण द्वारा सीखी जाती है।
(3) भाषा पैतृक संपत्ति नहीं है। (4) भाषा सामाजिक प्रक्रिया है। (3)

69. **श्रवण कौशल के बारे में सत्य कथन नहीं है–**
(1) श्रवण कौशल का संबंध कान से है। (2) भाषा सीखने का यह प्रथम चरण है।
(3) श्रवण कौशल विकास के अंतर्गत तीन प्रकार की शक्तियों का विकास करना आवश्यक है–
(1) अंतर बोध शक्ति (2) धारण शक्ति (3) बोधन शक्ति (4) सभी कथन सत्य है। (4)

70. **ज्ञानात्मक उद्देश्य का संबंध नहीं है–**
(1) भाषा तत्वों का ज्ञान– ध्वनि वर्ण, वर्तनी, संधि, समास, प्रत्यय, उपसर्ग, विलोम, वाक्यों का गठन, शब्द भेद
(2) विषय वस्तु का ज्ञान– तथ्यों, घटनाओं, पौराणिक कथाओं, चरित्र, संगठन के तत्व, जीवन के अनुभव
(3) रचना के रूपों का ज्ञान– मौखिक– वाद विवाद, कविता पाठ, वार्तालाप, भाषण, बालगीत, लिखित, पत्र, निबंध, कहानी, आत्मकथा संवाद, सारांश।
(4) आकाशवाणी से प्रसारित बालकों के कार्यक्रम व विद्यालय कार्यक्रम को सुनने की रूचि। (4)

71. **अभिव्यक्ति परक उद्देश्य का संबंध है–**
(1) भाषा को बोलकर व लिखकर अभिव्यक्त करने की योग्यता उत्पन्न करना
(2) साहित्य की समालोचना व साहित्य का रसास्वादन
(3) बालकों में श्रद्धा अवस्था, प्रेम, सहिष्णुता जैसी सद्वृत्तियों का विकास
(4) कहानी, लेख, पत्र कविता लेखन का कौशल उत्पन्न करना (1)

72. **हरबर्ट स्पेन्सर के अनुसार शिक्षण सूत्र कौनसे नहीं है–**
(1) मूर्त से अमूर्त की ओर, ज्ञात से अज्ञात की ओर (2) सरल से कठिन की ओर, पूर्ण से अंश की ओर
(3) विश्लेषण से संश्लेषण की ओर, अनिश्चत से निश्चित की ओर
(4) तार्किक से मनोविज्ञान की ओर (4)

73. **निम्न में दृश्य सहायक सामग्री के अंतर्गत नहीं आते हैं–**
(1) श्यामपट्ट (2) जादू की लालटेन (3) मैजिक लैन्टर्न (4) ग्रामोफोन (4)

74. **दृश्य–श्रव्य सामग्री के कार्य नहीं है–**
(1) प्रेरणा, क्रिया का सिद्धांत (2) स्पष्टीकरण सार्थक अनुभव
(3) रटने को कम करना, शब्दावली में वृद्धि (4) सभी है (4)

75 **''प्रोजेक्ट यथार्थ जीवन का एक ही भाग है जो विद्यालय में प्रयोग किया जाता है।'' यह कथन है–**
(1) जॉन डीवी (2) किल पैट्रिक (3) बेलार्ड (4) स्किनर (3)

76. **प्रायोजना विधि को औपचारिक रूप प्रदान किया–**
(1) जॉन डीवी (2) किल पैट्रिक (3) बेलार्ड (4) स्किनर (2)

77. **प्रायोजना विधि का आधारभूत सिद्धान्त है–**
(1) रोचकता (2) क्रियाशीलता (3) स्वतंत्रता (4) उपरोक्त सभी (4)

78. **प्रायोजना विधि का कौनसा सोपान नहीं है?**
(1) परिस्थिति उत्पन्न करना (2) प्रयोजना कार्य का चुनाव
(3) कार्यक्रम कियान्वित करना (4) व्यवहारिकता (4)

79. **कौनसा प्रायोजना विधि का गुण नहीं है–**
(1) मनोवैज्ञानिक (2) प्रजातन्त्रवादी भावना का विकास
(3) समवाय के सिद्धान्त द्वारा शिक्षण (4) स्वेच्छाचारिता (4)

80. **भारत में सर्वप्रथम अभिक्रमित अनुदेशन विधि के प्रयोग का आरम्भ हुआ?**
(1) 1963 (2) 1968 (3) 1965 (4) 1960 (1)

81. **''यह व्यक्तिगत अनुदेशन की एक विधि है, जिसमें बालक क्रियाशील रहकर स्वयं की गति से सीखता है तथा अपने उत्तरों की तत्काल जाँच करता है।'' अभिक्रमित अनुदेशन की यह परिभाषा दी है?**
(1) सुसनमार्कल (2) कोरे (3) डी. एल. कुक (4) पीटरसन (3)

82. **'पर्यवेक्षित अध्ययन से हमारा आशय अध्यापक द्वारा कक्षा अथवा विद्यार्थियों के समूह का उस समय निरीक्षण करने से है, जबकि वे अपने डेस्कों अथवा मेजों पर कार्य करने में संलग्न रहते हैं।' पर्यवेक्षित अध्ययन विधि की यह परिभाषा है?**
(1) क्लार्क तथा स्टार (2) क्लॉसमियर
(3) बाइनिंग एवं बाइनिंग (4) डेजी मारविल ज्ञान (3)

83. **यह विधि छात्रों को निर्देशन में अध्ययन करते तथा अध्यापक को निरीक्षण एवं निर्देशित करने के अवसर प्रदान करती है पर्यवेक्षित अध्ययन को यह परिभाषा दी है?**
(1) क्लार्क और स्टार (2) हरबर्ट (3) एन्विन (4) पीटरसन **(1)**

84. **आगमन विधि में छात्र अग्रसर होता है?**
(1) विशिष्ट से सामान्य की ओर (2) सामान्य से विशिष्ट की ओर
(3) सामान्य से सामान्य की ओर (4) विशिष्ट से विशिष्ट की ओर (1)

85. **आगमन प्रणाली के रूप प्रयोग प्रणाली के अन्तर्गत व्याकरण पढ़ाते समय–**
(1) छात्रों को पहले सूत्र रटवाए जाते हैं। (2) छात्रों को व्याकरण की पुस्तकें दी जाती है।
(3) छात्रों को सिद्धांत बताए जाते हैं। (4) छात्रों को पहले उदाहरण दिए जाते हैं **(4)**

86. **आगमन विधि का अधिकांश प्रयोग किया जाता है?**
(1) व्याकरण शिक्षण में (2) साहित्य शिक्षण में
(3) अभिक्रमित अनुदेशन में (4) पर्यवेक्षित अध्ययन में **(1)**

87. **निगमन प्रणाली को कहते हैं–**
(1) सिद्धांत प्रणाली (2) प्रयोग प्रणाली (3) सहयोग प्रणाली (4) साहचर्य विधि प्रणाली **(2)**

88. **निगमन विधि में छात्र–**
(1) सामान्ये से विशिष्ट की ओर अग्रसर होता है। (2) विशिष्ट से सामान्य की ओर अग्रसर होता है।
(3) सामान्य से सामान्य की ओर अग्रसर होता है। (4) विशिष्ट से विशिष्ट की ओर अग्रसर होता है।
(1)

89. **निगमन प्रणाली का तात्पर्य है–**
(1) पहले उदाहरण देना फिर उसका निष्कर्ष जानना। (2) अनेक उदाहरण प्रस्तुत करना।
(3) पहले कई नियमों को प्रस्तुत करना। (4) पहले नियम बताना फिर उसकी व्याख्या करना। **(4)**

90. **शिक्षार्थी बिना गम्भीर चिन्तन तथा तर्क संगत बोध के ही, किस विधि में रटने को विवश होता है?**
(1) समवाय विधि (2) सूत्र विधि
(3) अभिक्रमित अनुदेशन (4) व्याकरण–अनुवाद विधि (2)

91. **व्याकरण शिक्षण के लिए उत्तम विधि है–**
(1) पाठ्यपुस्तक विधि (2) प्रायोजना विधि
(3) सूत्र विधि (4) अनौपचारिक विधि (3)

FIRST RANK COACHING, SIKAR, 9783708007
FIRST RANK COACHING, SIKAR, 9783708007

92. **सूत्र विधि के सम्बन्ध में कौनसा कथन सत्य है–**
(1) बालकों में रटने की प्रवृत्ति का विकास होता है(2) अमनोवैज्ञानिक विधि है
(3) उच्चस्तरीय कक्षाओं के लिए उपयोगी (4) उपरोक्त सभी (4)

93. **किस विधि को पाठ्यपुस्तक विधि भी कहते हैं–**
(1) सूत्र विधि (2) समवाय विधि (3) प्रायोजना विधि (4) भाषा संसर्ग विधि (2)

94. **वह विधि जिसमें पाठ्यपुस्तक को पढ़ाते समय व्यवहारिक व्याकरण का ज्ञान भी कराया जाता है–**
(1) सूत्र विधि (2) भाषा संसर्ग विधि
(3) प्रायोजना विधि (4) समवाय/पाठ्यपुस्तक विधि (4)

95. **कौनसा समवाय विधि का गुण है–**
(1) छात्रों को मिले जुले पाठ्यवस्तु का ज्ञान कराना
(2) सामंजस्यीकरण पर बल (3) बुनियादी शिक्षा पर बल
(4) उपरोक्त सभी (4)

96. **'भाषा–संसर्ग विधि' के सन्दर्भ में कौनसा कथन असत्य है?**
(1) व्याकरण का व्यावहारिक उपयोग सिखाना चाहिए
(2) व्याकरण को एक विषय के रूप में अलग से शिक्षण करवाना चाहिए।
(3) व्याकरण–शिक्षण के समय तार्किक क्रम के स्थान पर परिस्थिति का महत्त्व अधिक होता है
(4) औपचारिक व्याकरण शिक्षण में आगमन विधि को प्राथमिकता देनी चाहिए (2)

97. **वह विधि जिसमें भाषा के सही रूप की जानकारी देने के लिए उत्तम लेखकों की रचनाएँ पढ़ाई जाती हैं, है–**
(1) सैनिक विधि (2) भाषा संसर्ग विधि (3) व्याख्यान विधि (4) प्रदर्शन विधि (2)

98. **भाषा संसर्ग विधि का दोष है–**
(1) भाषा के ज्ञान पर बल दिया जाता है (2) प्राथमिक कक्षाओं के लिए उत्तम है
(3) व्याकरण के नियमों का ज्ञान कराये बिना भाषा के शुद्ध रूप का प्रयोग करना सिखाया जाता है
(4) व्याकरण के नियमों का ज्ञान नहीं होना (4)

99. **सैनिक विधि का सूत्रपात निम्नलिखित में से किस देश में हुआ–**
(1) भारत (2) चीन (3) अमेरिका (4) जापान (3)

100. **किस विधि को अनुकरण परिस्मरण विधि भी कहा जाता है–**
(1) समवाय विधि (2) सैनिक विधि (3) व्याख्यान विधि (4) प्रायोजना विधि (2)

101. **व्याख्यान विधि में केन्द्र बिन्दु होता है?**
(1) छात्र (2) अध्यापक (3) पाठयोजना (4) श्यामपट्ट **(2)**

102. **निम्नलिखित में से कौनसी विधि शिक्षक केन्द्रित है–**
(1) प्रायोजना विधि (2) खेल विधि (3) व्याख्यान विधि (4) प्रयोगशाला विधि (3)

103. **व्याख्यान विधि की विशेषता है–**
(1) शब्दों के अर्थ स्पष्ट हो जाते हैं (2) छात्र की शब्दावली में वृद्धि होती है
(3) जीवनी व आत्मकथा हेतु सर्वोत्तम है (4) उपरोक्त सभी (4)

104. **निम्नलिखित में से कौनसी विधि करके सीखने के सिद्धान्त पर कार्य करती है–**
(1) प्रत्यक्ष विधि (2) साहचर्य विधि (3) समवाय विधि (4) प्रदर्शन विधि (4)

105. **प्रदर्शन विधि के सम्बन्ध में कौनसा कथन सत्य है–**
(1) यह विधि मनोवैज्ञानिक है
(2) इस विधि में अध्यापक और विद्यार्थी दोनों ही सक्रिय रहते हैं
(3) यह विधि छोटी कक्षाओं के लिए काफी लाभदायक है
(4) उपरोक्त सभी (4)

106. **प्रदर्शन विधि का दोष है–**
(1) साहित्य शिक्षण में उपयुक्त नहीं (2) छात्र को प्रत्यक्ष ज्ञान देती है
(3) कम खर्चीली है (4) इनमें से कोई नहीं (1)

107. **इकाई विधि के प्रवर्तक हैं–**
(1) थार्नडाइक (2) एच.सी. मोरिसन (3) किल पैट्रिक (4) डीवी (2)

108. **''इकाई किसी समस्या या योजना से सम्बन्ध जोड़ने वाली क्रियाओं की समग्रता या एकता को प्रकट करती है।'' इकाई विधि की यह परिभाषा दी है?**
(1) पार्कर (2) हैनरी हैरप (3) थॉमस एम. रिस्क (4) मॉरीसन (4)

109. **इकाई वातावरण, संगठित विज्ञान, कला या आचरण का व्यापक एवं महत्वपूर्ण अंग है। जिसे सीखने से व्यक्तित्व में सांमजस्य हो जाता है। इकाई विधि की यह परिभाषा दी है–**
(1) मॉरीसन (2) डी. एल. कुक (3) कोरे (4) पीटरसन **(1)**

110. **किस विधि में बालक को वस्तुओं को प्रत्यक्ष में दिखाकर सिखाया जाता है–**
(1) इकाई विधि (2) प्रत्यक्ष विधि (3) दूरस्थ शिक्षण विधि(4) व्याकरण अनुवाद विधि (3)

111. **प्रत्यक्ष विधि में बालक**
(1) अनुकरण द्वारा दूसरी भाषा सीखता है (2) व्याकरण के नियम पर बल दिया जाता है
(3) चित्र व शैक्षणिक सहायक सामग्री का प्रयोग नहीं किया जाता
(4) अनुवाद का सहारा लेता है (1)

112. **कौनसा प्रत्यक्ष विधि का गुण है–**
(1) यह विधि भाषा शिक्षण के मूल सिद्धान्तों के अनुकूल है
(2) भाषायी कौशल– बोलना, लिखना, पढ़ना एवं सीखना के पूरे अवसर विद्यार्थी को प्राप्त होते हैं
(3) शुद्ध उच्चारण का अभ्यास होता है
(4) उपरोक्त सभी (4)

113. **भाषा–शिक्षण में उच्चारण शुद्धता के लिए प्रयोग किया जाता है–**
(1) ओ.एच.पी. (2) लिंग्वाफोन (3) ग्रामोफोन (4) डिक्टाफोन **(2)**

114. **''भाषा प्रयोगशाला वैद्युतिकीय साजसज्जा से युक्त एक शिक्षण–कक्ष होता है, जिसका उपयोग भाषाओं में समूह शिक्षण के लिए किया जाता है।'' कथन है–**
(1) किलपैट्रिक (2) स्टर्न (3) टरमन (4) एडविन पैकर (4)

115. **कौनसा भाषा प्रयोगशाला में आवश्यक उपकरण है–**
(1) ध्वनि मुद्रण यंत्र (2) संगणक (3) श्रवण प्रकोष्ठ (4) उपरोक्त सभी (4)

116. **जो लोग शिक्षा प्राप्त करने के लिए संस्थाओं तक नहीं जा पाते उनके लिए शिक्षा प्राप्त करने की विधि है–**
(1) दूरस्थ शिक्षा (2) दूरदर्शन (3) प्रोजैक्टर जैसे उपकरण(4) उक्त कोई नहीं **(1)**

117. **जब शिक्षक तथा शिक्षार्थी आमने सामने न होकर भी शिक्षण कार्य में संलग्न रहते हैं तो वह शिक्षण पद्धति है–**
(1) समूह शिक्षण विधि(2) सैनिक विधि (3) दूरस्थ शिक्षण विधि(4) प्रायोजना विधि (3)

118. **कक्षा में उच्चारण पढ़ाते समय जब अध्यापक पहले बोलता है और बच्चे उसके बाद बोलते हैं तो उस विधि को कहते हैं–**
(1) अनुकरण विधि (2) ध्वन्यात्मक विधि (3) रसास्वादन विधि (4) व्याख्यान विधि **(1)**

119. **कौनसी विधि बालकों का उच्चारण सुधारने में उपयुक्त है–**
(1) प्रदर्शन विधि (2) व्याख्यान विधि (3) अनुकरणात्मक विधि(4) प्रायोजना विधि (3)

120. **निम्नलिखित में से कौनसी विधि प्रारम्भिक स्तर पर लेखन व उच्चारण के लिए उपयुक्त होती है तथा माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्तर पर रचना हेतु उपयुक्त होती है–**
(1) प्रदर्शन विधि (2) व्याख्यान विधि (3) अनुकरणात्मक विधि(4) प्रायोजना विधि (3)

121. **व्याकरण अनुवाद विधि में :**
(1) प्रथम भाषा का व्याकरण पहले पढ़ाया जाता है
(2) प्रथम व द्वितीय दोनों भाषाओं का व्याकरण समानान्तर पढ़ाया जाता है
(3) द्वितीय भाषा का व्याकरण पहले पढ़ाया जाता है
(4) दोनों भाषाओं का व्याकरण व्यतिरेकी दृष्टि से पढ़ाया जाता है (2)

122. **व्याकरण अनुवाद विधि के स्थान पर द्वितीय भाषा शिक्षण की किसी वैज्ञानिक पद्धति की आवश्यकता सर्वप्रथम प्रतिपादित की–**
(1) ज्ञान कमेनियस (2) जान बेसडो (3) यस्पेसियन (4) पामर **(2)**

123. **द्विभाषी पद्धति के प्रवर्तक माने जाते हैं–**
(1) डॉ. रामकृष्ण गोपाल भंडारकर (2) सी.जे. डोडसन
(3) वाट्सन (4) रूसो (2)

124. **द्विभाषी पद्धति के सम्बन्ध में कौनसा कथन सत्य है–**
(1) सामान्य विद्यालयों के सामान्य शिक्षकों के लिए सर्वाधिक उपयोगी विधि है
(2) सीआईएफईएल, हैदराबाद के अनुसार भारतीय परिस्थितियों में द्विभाषी पद्धति सर्वाधिक उपयुक्त मानी जाती है
(3) बातचीत और मौखिक अभ्यास द्वारा दूसरी भाषा सीखी जाती है
(4) उपरोक्त सभी (4)

125. **वह विधि जिसमें उचित स्वराघात, उपयुक्त गति, भावभंगिमा एवं लहजे का ध्यान रखा जाता है, कहलाती है–**
(1) अनुध्वनि विधि (2) अक्षर बोध विधि (3) संगति विधि (4) रसास्वादन विधि (4)

126. **निम्न में से किस विधि का प्रयोग अधिकतर कविता शिक्षण के दौरान किया जाता है–**
(1) अनुध्वनि विधि (2) अक्षर बोध विधि (3) रसास्वादन विधि (4) कहानी विधि (3)

127. **'वाचिक अभिनव द्वारा शिक्षण' का तात्पर्य है–**
(1) अध्यापक द्वारा नाटक का वाचन (2) एक छात्र द्वारा नाटक का वाचन
(3) कई विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न पात्रों के संवाद बोलना
(4) अध्यापक द्वारा नाटक का अभिनय **(3)**

128. **शिक्षा क्षेत्र में वाचन का तात्पर्य है–**
(1) पढ़कर अर्थ ग्रहण करना (2) सुनकर अर्थ ग्रहण करना
(3) देखकर अर्थ ग्रहण करना (4) उपरोक्त में से कोई नहीं (1)

129. **वाचन का उद्देश्य है–**
(1) भाव ठीक–ठीक समझने की क्षमता उत्पन्न करना
(2) शुद्ध उच्चारण का अभ्यास करना (3) त्वरित गति से पढ़ने का अभ्यास करना
(4) उपरोक्त सभी (4)

130. **वह विधि जिसमें वस्तुओं के सम्पर्क में बालकों को लाया जाता है तथा वस्तुओं के सामने उनके नाम से कार्ड रखे हुए होते हैं, है–**
(1) व्यतिरेकी विधि (2) वाचन विधि (3) साहचर्य विधि (4) उपरोक्त में से कोई नहीं(3)

131. **कौनसी विधि छोटी कक्षाओं हेतु उपयुक्त है–**
(1) प्रायोजना विधि (2) समस्या समाधान विधि(3) प्रयोगशाला विधि(4) साहचर्य विधि (4)

132. **मातृभाषा और सीखी जाने वाली द्वितीय भाषा दोनों का भाषा वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत करने हेतु प्रभावी विधि है–**
(1) व्यतिरेकी विधि (2) समवाय विधि (3) व्याख्यान विधि (4) सूत्र विधि (1)

133. **भोलानाथ तिवारी ने किस विधि को द्वितीय भाषा शिक्षण की सर्वोत्तम विधि कहा है–**
(1) समवाय विधि (2) सूत्र विधि (3) व्याख्यान विधि (4) व्यतिरेकी विधि (4)

134. **'परम्परागत कक्षा शिक्षण को बदलने एवं सुधारने की प्रेरणा देने वाली यह उत्तम तकनीक है इसमें शिक्षक का एकाकीपन दूर होता है और शिक्षण में गुणात्मक वृद्धि होती है' उपर्युक्त परिभाषा किस शिक्षण पद्धति के सम्बन्ध में है–**
(1) साहचर्य विधि (2) दूरस्थ शिक्षण
(3) अभिक्रमित अनुदेशन विधि (4) दल शिक्षण विधि **(4)**

135. **दल–शिक्षण के लिए उपयुक्त कथन है–**
(1) प्रत्येक दल सदस्य का उत्तरदायित्व पृथक् स्तरीय होगा।
(2) प्रत्येक दल सदस्य का कार्य लगभग समान होगा।
(3) प्रत्येक दल सदस्य नेतृत्व का कार्य करता है।
(4) प्रत्येक दल सदस्य समविषयी शिक्षक ही होता है। (1)

136. **हरबर्ट की पंचपदीय प्रणाली में परिगणित पद नहीं है?**
(1) प्रस्तावना (2) प्रस्तुतीकरण (3) उद्देश्य (4) मूल्यांकन (4)

137. **भारतीय पाठ योजनाएँ जो हरबर्ट उपागम पर आधारित हैं–**
(1) ब्रिटिश उपागम का (2) जर्मन उपागम का
(3) फ्राँसीसी उपागम का (4) इनमें से कोई भी नहीं **(1)**

138. **'हरबर्टीय विधि' में पाँच पदों द्वारा शिक्षण का उपयुक्त क्रम है–**
(1) प्रस्तुतीकरण – प्रस्तावना – तुलना – प्रयोग – नियमीकरण
(2) नियमीकरण – प्रस्तावना – तुलना – प्रस्तुतीकरण – प्रयोग
(3) प्रस्तावना – प्रस्तुतीकरण – तुलना – नियमीकरण – प्रयोग
(4) प्रस्तावना – प्रयोग – तुलना – नियमीकरण – प्रस्तुतीकरण (3)

139. **पठनारम्भ की योग्यता के विकास के लिए सर्वाधिक रूचिकर विधि है–**
(1) अनुकरण विधि (2) अक्षर बोध विधि (3) ध्वनि साम्य विधि (4) देखो और कहो विधि (4)

140. **रसास्वादन विधि का प्रयोग सर्वाधिक उपयोगी है–**
(1) प्राथमिक स्तर (2) माध्यमिक स्तर (3) उच्च स्तर (4) सभी स्तरों पर (1)

141. **रसास्वादन विधि आधारित है–**
(1) अर्थ (2) भाव (3) कला (4) रस (4)

142. **छात्र में रटने की प्रवृत्ति किस विधि से शिक्षा देने में बढ़ती है–**
(1) आगमन विधि (2) निगमन विधि (3) दृष्टान्त विधि (4) व्याख्यान विधि (2)

143. **किस शिक्षण विधि में छात्र–छात्राओं को उत्तम लेखकों की रचनाएँ पढ़वाई जाती है जिससे वे भाषा के शुद्ध रूप को जान सकें?**
(1) अनुकरण विधि (2) वाचन विधि (3) वाचन विधि (4) भाषा–संसर्ग विधि (4)

144. **कौन–सी शिक्षण पद्धति हिन्दी शिक्षण के लिए उपयुक्त है–**
(1) प्रदर्शन विधि (2) आगमन–निगमन विधि(3) हरबर्टीय विधि (4) उपर्युक्त सभी (4)

145. **प्राथमिक स्तर पर संवाद शिक्षण की उपयुक्त प्रणाली है–**

FIRST RANK COACHING, SIKAR, 9783708007
FIRST RANK COACHING, SIKAR, 9783708007

(1) आदर्श नाट्य प्रणाली (2) व्याख्या प्रणाली
(3) कक्षाभिनय प्रणाली (4) रंगमंच प्रणाली (3)

146. प्राथमिक स्तर पर कविता शिक्षण की उपयुक्त प्रणाली कौन–सी है–
(1) व्याख्या प्रणाली (2) तुलना प्रणाली (3) गीत और अभिनय प्रणाली (4) व्यास प्रणाली (3)

147. भाषा शिक्षण की नवीन पद्धतियों में विशेष बल दिया जाता है–
(1) शिक्षक की क्रियाशीलता पर (2) बालक की स्वतंत्रता पर
(3) बालक व शिक्षक की क्रियाशीलता पर (4) बालक की क्रियाशीलता पर (3)

148. प्रत्यक्ष विधि हिन्दी शिक्षण के लिए उस स्तर पर उपयोगी है, जब छात्र को जानकारी हो?
(1) व्याकरण की (2) लिपि की (3) अक्षर ज्ञान की (4) इनमें से कोई नहीं (1)

149. इकाई विधि का दोष है–
(1) पाठ्यक्रम को नियत अवधि में पूरा नहीं कर सकते
(2) मूल्यांकन प्रणाली से इकाई का तालमेल नहीं बैठता
(3) सभी प्रकार की पाठ्य सामग्री इकाइयों में विभक्त नहीं हो सकती
(4) उपर्युक्त सभी (4)

150. 'ओपन स्कूल' में कौन–सी शिक्षण विधि काम में लाई जाती है–
(1) दूरस्थ शिक्षण विधि (2) समवाय विधि (3) व्याख्यान विधि (4) प्रदर्शन विधि (1)

151 कौन–सी शिक्षण विधि में छात्र और अध्यापक विचारों का आदान–प्रदान करते है–
(1) प्रश्नोत्तर विधि (2) विचार–विमर्श विधि (3) प्रायोजना विधि (4) उपर्युक्त सभी (2)

152. निम्नलिखित में से हिन्दी गद्य शिक्षण के लिए कौन–सी विधि उपयुक्त है–
(1) अर्थबोध विधि (2) गीत विधि (3) अभिनय विधि (4) खण्डान्वय विधि (1)

153. छात्र स्वयं निरीक्षण एवं चिन्तन करते हुए नियम निकालते है–
(1) आगमन विधि में (2) निगमन विधि में (3) व्याख्यान विधि में (4) व्यास विधि में (1)

154. हरबर्टीय विधि के कितने चरण माने गये है–
(1) आठ (2) पाँच (3) तीन (4) चार (2)

155. उच्च प्राथमिक स्तर पर कहानी रचना के लिए उपयोगी सामग्री होगी–
(1) चित्र कथाएँ (2) फ्लेश कार्ड (3) श्यामपट्ट (4) उपर्युक्त सभी (4)

156. नाटक शिक्षण की प्रमुख विधि है–
(1) कक्षाभिनय प्रणाली (2) मूकानिभनय प्रणाली
(3) रंगमंच प्रणाली (4) व्याख्या प्रणाली (1)

157. किण्डर गार्टन पद्धति के जन्मदाता है–
(1) फ्रोबेल (2) कुमारी पार्क हर्स्ट (3) कुमारी हेलन केलर (4) क्राचमैन (1)

158. व्याकरण की किस विधि में व्यावहारिक पक्ष पर विशेष बल दिया जाता है–
(1) भाषा संसर्ग प्रणाली (2) पाठ्यपुस्तक प्रणाली
(3) आगमन–निगमन प्रणाली (4) समवाय प्रणाली (1)

159. उच्च प्राथमिक स्तर पर कविता शिक्षण की उपयुक्त विधि है–
(1) प्रश्नोत्तर (2) गीत प्रणाली (3) व्याख्या प्रणाली (4) शब्दार्थ प्रणाली (3)

160. प्रोजेक्ट प्रणाली में भाषा शिक्षण सबसे पहले किसके द्वारा होता है–
(1) वार्तालाप (2) चित्र विधि (3) श्यामपट्ट (4) श्रुति (1)

161. प्रायोजना विधि का आधारभूत सिद्धान्त है–
(1) उद्देश्य (2) क्रियाशीलता (3) रोचकता (4) उपर्युक्त सभी (4)

162. व्याकरण शिक्षण में जिस शिक्षण विधि का प्रयोग किया जाता है, वह है–
(1) रचना शिक्षण (2) उपन्यास शिक्षण (3) आगमन–निगमन विधि (4) समवाय विधि (3)

163. ''अध्यापक एक माली है और बच्चे पौधे'' यह कथन है–
(1) फ्रोबेल (2) हेलन (3) क्रो एण्ड क्रो (4) क्राचमैन (1)

164. कहानी शिक्षण की सर्वाधिक उपर्युक्त विधि है–
(1) कहानी पठन विधि (2) कहानी कथन विधि
(3) चित्र विधि (4) अभिनय विधि (3)

165. प्राथमिक स्तर पर व्याकरण शिक्षण के लिए कौनसी विधि सर्वोत्तम है–
(1) आगमन–निगमन विधि (2) अनुकरण विधि
(3) खेल विधि (4) रूपरेखा विधि (1)

166. शब्दानुशासन (शब्द समूह) के रूप में व्याकरण की व्याख्या किसने की है–
(1) रायबर्न एवं थॉमसन ने (2) बालगोविन्द तिवाड़ी ने
(3) एच.जी. वेल्स ने (4) पतंजली मुनि ने (4)

167. उच्च प्राथमिक स्तर पर व्याकरण शिक्षण की उपयुक्त विधि प्रणाली है–
(1) आगमन प्रणाली (2) निगमन प्रणाली (3) सूत्र प्रणाली (4) भाषा संसर्ग प्रणाली (1)

168. भाषा–संसर्ग प्रणाली व्याकरण शिक्षा के किस पक्ष पर बल देती है–
(1) व्यावहारिक (2) सैद्धान्तिक (3) भाषा विज्ञान (4) इनमें से कोई नहीं (1)

169. भाषायी कौशल का सही क्रम है–
(1) सुनना, बोलना, लिखना, पढ़ना (2) सुनना, पढ़ना, लिखना, बोलना
(3) सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना (4) पढ़ना, बोलना, सुनना, लिखना (3)

170. भाषा–कौशलों के बारे में कौनसा कथन सही है ?
(1) भाषा के कौशलों में से केवल पढ़ना–लिखना महत्वपूर्ण है
(2) भाषा के मूल रूप से कौशलों में से केवल सुनना, बोलना ही महत्वपूर्ण है
(3) भाषा के कौशल केवल क्रमबद्ध रूप से ही सीखे जाते हैं
(4) भाषा के कौशल परस्पर अंतः सम्बन्धित हैं (4)

171. मौन पठन का मुख्य उद्देश्य है–
(1) सतही ढंग से पाठ खत्म करना (2) गहन अर्थ ग्रहण करना
(3) बिना बोले पढ़ने की कुशलता का विकास करना (4) शान्ति के साथ पढ़ना (2)

172. भाषा के आधारभूत कौशलों में सर्वोपरि है–
(1) सुनना और बोलना (2) पढ़ना और लिखना
(3) बोलना, पढ़ना और लिखना (4) सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना (1)

173. पढ़ना कौशल में आप किसे सर्वाधिक महत्व देंगे?
(1) शब्दों का अर्थ (2) मुख्य बिंदु/विचार को ग्रहण करना
(3) वाक्यों का अर्थ (4) द्रुत गति से पढ़ना (2)

174. लेखन कौशल के विकास में सबसे कम प्रभावी हैं?
(1) चित्रांकन (2) सुलेख
(3) मन की बात लिखना (4) घटनाओं, दृश्यों का लिखित वर्णन (2)

175. भाषा सीखने के संदर्भ में कौन सा कथन सही है?
(1) बच्चों में भाषा सीखने की जन्मजात क्षमता होती है
(2) व्याकरण का ज्ञान भाषा–प्रयोग की कुशलता का एकमात्र सुनिश्चित मानदंड है
(3) भाषा सीखना भाषा की कक्षा में ही संभव है
(4) मानक भाषा के प्रयोग पर अत्यधिक बल देना चाहिए (1)

176. भाषा के आधारभूत कौशल हैं?
(1) सुनना, बोलना, पढ़ना, समझना (2) सुनना, बोलना, लिखना, समझना
(3) बोलना, पढ़ना, लिखना, समझना (4) सुनना, बोलना, पढ़ना लिखना (4)

177. कक्षा 'एक' और 'दो' के शुरुआती समय में पढ़ने का प्रारम्भ ..... से ही और किसी .....के लिए हो।
(1) अक्षर–ज्ञान, मनोरंजन (2) शब्द–पहचान, मूल्यांकन
(3) अक्षर–ज्ञान, उद्देश्य (4) अर्थ, उद्देश्य (4)

178. निम्नलिखित में से कौनसा नियम पढ़ना सीखने में मुश्किल पैदा नहीं करता?
(1) बच्चों पर सावधानीपूर्वक पढ़ने के लिए जोर डालना
(2) शब्द–प्रति शब्द पढ़ते हुए गति को बढ़ाने का आग्रह करना
(3) चित्र, संदर्भ और पूर्व अनुभवों के आधार पर अनुमान लगाते हुए पढ़ने के अवसर देना
(4) यह सुनिश्चित करना कि ध्वनि के नियम सीखकर उन पर अमल किया जाए (3)

179. उच्च प्राथमिक स्तर पर यह जरूरी है कि बच्चे–
(1) समाचार–पत्र में छपी किसी खबर, लेख या कही गई बात का निहितार्थ समझ सकें
(2) अपनी पाठ्य–पुस्तक के सभी पाठों का अभ्यास कर सकें
(3) भाषा के आकलन के लिए की जाने वाली सभी गातिविधियों में समान रूप से हिस्सा लें
(4) भाषा का अतिरिक्त अभ्यास करें और परियोजना कार्य में इंटरनेट का प्रयोग करें (1)

180. बोलना कौशल में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है–
(1) शुद्ध उच्चारण (2) समझकर बोलना (3) आँखों देखा वर्णन करना (4) बोलने की तेजगति (1)

181. भाषा–शिक्षक का दायित्व है कि वह–
(1) सभी बच्चों से समान रूप से प्रश्न पूछे (2) सभी बच्चों की सहज भाषायी क्षमता को पहचाने
(3) सभी बच्चों को समान रूप से गृहकार्य दे
(4) सभी बच्चों में भाषा–प्रयोग की एकसमान कुशलता विकसित करे (4)

182. बालक सर्वप्रथम मातृभाषा को सीखता है–
(1) मातृबोली के रूप में (2) चिल्लाने के रूप में (3) व्याख्यान के लिए (4) गाने के रूप में (1)

183. प्रार्थना सभा में 'समाचार कथन' से योग्यता का विकास किस उद्देश्य से होता है–
(1) अर्थग्रहण की (2) बोलने की (3) सुनने की (4) अभिव्यक्ति की (2)

184. कक्षा 3 व 5 तक के पाठ्यक्रम में लिखने के अभ्यास हेतु निर्धारित कार्यक्रम है–
(1) वाद–विवाद (2) कविता–पाठ (3) कहानी–कथन (4) श्रुतिलेख (4)

185. प्रारम्भिक स्तर पर वाचन शिक्षण हेतु उपयुक्त विधि है–
(1) सस्वर वाचन (2) समवेत वाचन (3) मौन वाचन (4) संशोधन वाचन (1)

186. प्राथमिक कक्षाओं के लिए मौखिक अभिव्यक्ति की अधिक उपयुक्त विधि है–
(1) कहानी कथन (2) चित्र वर्णन (3) कविता पाठ (4) अभिनय (2)

187. मौन वाचन का मुख्य उद्देश्य क्या है–
(1) शब्द भण्डार में वृद्धि (2) शुद्ध वाचन की क्षमता उत्पन्न करना
(3) अर्थ ग्रहण एवं तीव्र गति से पढ़ने की क्षमता उत्पन्न करना
(4) वर्णों की सही पहचान की क्षमता उत्पन्न करना (3)

188. श्रुतलेख अभ्यास विधि उपयुक्त है–
(1) प्राथमिक कक्षाओं के लिए (2) माध्यमिक कक्षाओं के लिए
(3) उच्चस्तरीय कक्षाओं के लिए (4) उपर्युक्त सभी (1)

189. गद्य शिक्षण में सर्वाधिक महत्व किसका है–
(1) मौन पठन (2) सस्वर पठन (3) आदर्श वाचन (4) रसानुभूति (1)

190. सूक्ष्म शिक्षण तकनीक का पद नहीं है?
(1) पाठ योजना (2) शिक्षण सत्र (3) पुनः शिक्षण सत्र (4) चर्चा सत्र (4)

191. सूक्ष्म शिक्षण का समय है?
(1) 10–20 मिनट (2) 5–10 मिनट (3) 25 मिनट (4) 12 मिनट (2)

192. सूक्ष्म शिक्षण में कक्षा का आकार होता है–
(1) 5–10 विद्यार्थी (2) 10–20 विद्यार्थी (3) 20–25 विद्यार्थी (4) 15–18 विद्यार्थी (1)

193. शिक्षा के क्षेत्र में बहुमाध्यम उपागम सहायक है
(1) कक्षा वातावरण के परिवर्तन में (2) शिक्षकों के प्रशिक्षण में
(3) अधिगम की वृद्धि में (4) उपरोक्त सभी (4)

194. शिक्षण मशीन सिद्धान्तों पर आधारित है
(1) अभिक्रमित अनुदेश के (2) सूक्ष्म शिक्षण के
(3) उपरोक्त दोनों (4) उपरोक्त में से कोई नहीं (1)

195. चलचित्रों का शिक्षण एवं प्रशिक्षण में प्रयोग किया जाता है क्योंकि
(1) इसमें देखना, सुनना व करना तीनों का एक साथ चल सकता है।
(2) यह प्रेक्षण एवं कल्पना दोनों शक्तियों का एक साथ विकास करता है।
(3) यह आदर्श नमूनों के अनुकरण के लिए अभिप्रेरित करते हैं।
(4) उपरोक्त सभी (4)

196. टेलीकान्फ्रेसिंग का लाभ नहीं है
(1) परम्परागत सम्मेलन को आयोजित करने की औपचारिकताओं से मुक्ति
(2) इस प्रकार के सम्मेलन का एक निश्चित गति से आगे बढ़ना
(3) छात्रों तथा विशेषज्ञों के बीच खुले विचारों का आदान–प्रदान सम्भव
(4) विशेषज्ञ अध्यापकों द्वारा शिक्षण (2)

197. निम्न में से किस आधार पर श्रव्य दृश्य सामग्री के प्रयोग की आलोचना की जा सकती है?
(1) कक्षा के वातावरण को निर्जीव बनाना (2) मूल्यांकन में खामोश
(3) केवल निम्न स्तर के उद्देश्यों की प्राप्ति (4) उपरोक्त सभी (2)

198. निम्न में से कौन–सा सही है?
(1) ग्राफिक सामग्री – प्रदर्शन, अभिनय (2) डिस्प्ले बोर्ड सामग्री – फिल्म स्ट्रिप, स्लाइड
(3) त्रिआयामी सामग्री – मॉडल, मोबाइल (4) श्रव्य सामग्री – फ्लैनल बोर्ड, बुलेटिन बोर्ड (3)

199. कक्षा–कक्ष परिस्थिति में श्रव्य–दृश्य सहायक सामग्रियां प्रयोग में लेते समय शिक्षण का निम्नलिखित में से कौन–सा सूत्र सम्मिलित होता है?
(1) मूर्त से अमूर्त (2) सरल से जटिल (3) करके सीखना (4) विश्लेषण से संश्लेषण (1)

200. कोई भी भाषा–पुस्तक तभी सफल मानी जाएगी जब–
(1) वह बच्चों में साहित्य की धरोहर और वर्तमान साहित्य के प्रति उत्सुकता बनाए
(2) वह बच्चों को प्राचीन साहित्य की पूरी जानकारी दे
(3) वह बच्चों को व्याकरण के नियमों से परिचित कराए
(4) वह बच्चों को केवल प्रसिद्ध साहित्य से परीचित कराए (1)

FIRST RANK COACHING, SIKAR, 9783708007
FIRST RANK COACHING, SIKAR, 9783708007